

00/5/26

कील प्राची अनु.न मूल पार सं. 190/25 डि. (1)
ही से यह प्राप्ता स्वतः ही प्रयाप शु.र हो गमा
हो प्राप्ती तंषट से कफ हो

आरेटा सुगमा गभण

16V

उपसम्व अधिकारी
सूपतगढ़ (राज.)

acms
2025/399

